राग- बिहाग

राग माहिती

थाट : बिलावल

स्वर : अवरोहात तीव्र माध्यमाचा अल्पप्रयोग बाकी सर्व स्वर शुद्ध

- **वर्जस्वर** : आरोहात रे व ध , अवरोहात सर्व स्वरांचा प्रयोग केला जातो
- **जाती** : ओडव - संपूर्ण
- **वादी** : गंधार
- **संवादी** : निषाद
- **गानसमय** : रात्रीचा दूसरा प्रहर
- **आरोह** : नी सा ग म प नी सां
- **अवरोह** : सां नी ध प म ग रे सा
  : सां नी ध प म् प ग म ग रे सा
- **पकड** : गमपनीऽधप,गमगऽरेसा

छोटा-ख्याल

बंदिश **ताल-तीनताल**

स्थयी :- चुरिया बार बार कर काही
हो सुरजनवा बलमा तुम्हरे मिलन
कारन निस-दिन छतिया थरकाई ।।धृ।।

अंतरा :- तन मन धन न्योछावर कर हू
जीवन प्राण सदारंग हरकाई
मोरि चुरीय बार बार कर काही ।।१।।